

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 184]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 5, 2011/भाद्र 14, 1933

No. 184]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 5, 2011/BHADRA 14, 1933

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2011

दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (छठवां संशोधन) विनियम, 2011 (2011 का 05)

सं. 352-4/2011-सीए (व्यूओएस) पार्ट.—भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, एतद्वारा, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 (1997 का 24) की धारा 11 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के उप-खंड (v) तथा धारा 11 की उप-धारा (1) के खंड (ग) के साथ पठित धारा 36 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों को दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (छठवां संशोधन) विनियम, 2011 कहा जा सकता है।

(2) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2011 (इसके बाद यहां इसे मूल विनियम कहा गया है) के विनियम 1 के उप-विनियम (2) में, —

(क) खण्ड (घ) के लिए, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(घ) इन विनियमों के विनियम 12, 18, 19, 20, 21 और 22, 27 सितम्बर, 2011 से प्रभावी होंगे।”

3. दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2011 (इसके बाद यहां इसे मूल विनियम कहा गया है) के विनियम 2 में, —

(क) खण्ड (ड) के बाद, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(डक) “लाइसेंसधारी” का अभिप्राय निर्दिष्ट सार्वजनिक दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 की उप-धारा (1) के अंतर्गत लाइसेंस प्राप्त किसी व्यक्ति से है;”

4. मूल विनियमों के विनियम 2 के खंड (कख) में, —

(क) उपखंड (i) के लिए, निम्नलिखित उपखंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात:

“(i) लाइसेंसधारी या बैंक या वित्तीय संस्था या बीमा कंपनी या क्रेडिट कार्ड कंपनी या भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड के यहां पंजीकृत जमाकर्ताओं या डायरेक्ट टू होम आपरेटर्स द्वारा अपने ग्राहकों को उनके खाते से संबंधित भेजी गई सूचना:”

(ख) उपखंड (iii) के लिए, निम्नलिखित उपखंड को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात:

“(iii) किसी पंजीकृत शैक्षिक संस्था से अपने छात्रों या उनके अभिभावकों या माता-पिता को सूचना:”

5. मूल विनियमों के विनियम 2 के खंड (कग) में, —

(क) उपखंड (ii) के लिए, निम्नलिखित उपखंड प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात:

“(ii) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के द्वारा या उनके निर्देशों पर भेजा गया कोई संदेश ”

(ख) उपखंड (ii) के बाद, निम्नलिखित उपखंड अतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात:

“(iii) संविधान के अंतर्गत स्थापित निकायों द्वारा या उनके निर्देशों पर भेजा गया कोई संदेश; या”

(iv) प्राधिकरण द्वारा या उसके निर्देश पर भेजा गया कोई संदेश;

“(v) प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर अधिकृत किसी एजेंसी द्वारा भेजा गया कोई संदेश;”

6. मूल विनियमों के विनियम 8 में, —

(क) उपविनियम (1) में, “तीन माह ” शब्दों की जगह “सात दिन” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;

7. मूल विनियमों के विनियम 17 में, —

(क) उपविनियम (11) के लिए, निम्नलिखित उपविनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात:

“(11) इन विनियमों के अंतर्गत जिन दूरसंचार संसाधनों का आवंटन किया गया उन्हें छोड़कर, प्रत्येक एक्सेस प्रदाता 26 सितम्बर, 2011 से पहले किसी टेलीमार्केटर को आवंटित सभी दूरसंचार संसाधनों को हटा लेगा।”

8. मूल विनियमों के विनियम 20 के उपविनियम (2) में, —

(क) खंड (क) के हिंदी रूपांतर में कोई संशोधन नहीं है ।

(ख) खंड (ज) के लिए, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात:

“(ज) प्रत्येक एक्सेस प्रदाता यह सुनिश्चित करेगा कि लेनदेन संबंधी संदेशों को छोड़कर एसएमएस समेत वाणिज्यिक संचार किसी ग्राहक को केवल 0900 बजे से 2100 बजे के बीच भेजा जाए”.

(ग) खंड (ट) के बाद निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात:

“(टक) कोई एक्सेस प्रदाता प्रति सिम प्रतिदिन एक सौ से अधिक एसएमएस भेजने की अनुमति नहीं देगा:

बशर्ते कि पोस्ट-पैड टेलीफोन नम्बर के मामलों में एक्सेस प्रदाता प्रति सिम प्रतिमाह तीन हजार से अधिक एसएमएस भेजने की अनुमति नहीं देगा :

बशर्ते आगे कि पोस्ट-पैड टेलीफोन नम्बर के मामलों में प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित करने की तिथि से एक्सेस प्रदाता प्रति सिम प्रतिदिन एक सौ से अधिक एसएमएस भेजने की अनुमति नहीं देगा:

(टख) प्राधिकरण निर्देश के माध्यम से समय-समय पर ऐसे एसएमएस की श्रेणी विनिर्दिष्ट कर सकता है जो प्रति एसआईएम(सीम) प्रतिदिन एक सौ एसएमएस की सीमा से बाहर होगी:

बशर्ते कि उपभोक्ता को विनिर्दिष्ट श्रेणी में प्रति एसआईएम(सीम) प्रतिदिन एक सौ एसएमएस की सीमा से अधिक एसएमएस भेजने की अनुमति देने से पूर्व, एक्सेस प्रदाता, इस प्रकार के उपभोक्ता से वचनबद्धता प्राप्त करेगा कि वह इस प्रकार के टेलीफोन नम्बर का उपयोग किसी भी प्रकार के वाणिज्यिक संचार भेजने के लिए नहीं करेगा :

बशर्ते आगे कि एक्सेस प्रदाता राष्ट्रीय टेलीमार्केटर रजिस्टर में अनुरक्षित की जा रही सूची में उपभोक्ता का टेलीफोन नम्बर, नाम व पता, एसएमएस भेजने के लिए छूट प्रदान की गई श्रेणी और प्रति एसआईएम(सीम) प्रतिदिन एक सौ एसएमएस की सीमा से अधिक एसएमएस भेजने के लिए प्रदान की गई अनुमति की तिथि दर्ज करेगा तथा इस प्रकार की सूची का अद्यतन प्रत्येक सोमवार को किया जाएगा । ”

9. मूल विनियमों के विनियम 25 में, ———

(क) खंड (घ) के लिए, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात:

“(घ) दूरसंचार अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण विनियम, 2007 (2007 का 4) के विनियम 12, 16, 17 एवं 18 में निहित प्रावधान 26 सितम्बर, 2011 तक प्रभावी बने रहेंगे।”

10. मूल विनियमों की अनुसूची I में, ———

(क) ‘विविध’ शीर्ष के अंतर्गत, क्रम संख्या II के बाद, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात:

“III. ग्राहक निम्नलिखित अधिमानों के संदेश प्राप्त करने के लिए विकल्पों का प्रयोग कर सकते हैं:

1- बैंकिंग/बीमा/वित्तीय उत्पाद/क्रेडिट कार्ड, 2- अचल संपत्ति, 3- शिक्षा, 4- स्वास्थ्य, 5- उपभोक्ता वस्तुएं एवं आटोमोबाइल, 6- संचार/प्रसारण/मनोरंजन/आईटी, 7- पर्यटन एवं मौज-मस्ती।

IV. प्राधिकरण निदेश के माध्यम से समय-समय पर आंशिक रूप से अवरुद्ध श्रेणी के लिए नए अधिमानों को विनिर्दिष्ट कर सकता है।

V. संवर्धनात्मक संदेश भेजने के लिए, टेलीमार्केटर XY- RZZZZZ के प्रारूप में अल्फा न्यूमेरिक अभिचिह्नक का प्रयोग करेंगे जहां X का मतलब एक्सेस प्रदाता को आवंटित कोड से है, Y का मतलब सेवा क्षेत्र से है जो प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया गया है और R 0 से 7 तक कोई भी संख्या है जहां 0 इस बात का द्योतक है कि एसएमएस वाणिज्यिक संचार है किंतु क्रम संख्या III के अंतर्गत विनिर्दिष्ट किसी अधिमान से संबंधित नहीं है, 1-7, क्रम संख्या III के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अधिमान के द्योतक है और ZZZZZ अक्सेस प्रदाता द्वारा टेलीमार्केटर को आवंटित पांच डिजिट के अनोखे पहचान कोड का द्योतक है। प्राधिकरण द्वारा जब कभी भी अतिरिक्त अधिमान अधिसूचित किए जाएंगे, वे “R” के लिए 8 नम्बर से आगे के होंगे तथा वह दो संख्या का भी होगा।”

11. मूल विनियमों की अनुसूची III में, ———

(क) खंड (15) के लिए, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात:

“(15) एक्सेस प्रदाता द्वारा टेलीमार्केटरों को आवंटित दूरसंचार संसाधन “140” नम्बर की सीरीज से होंगे जो कि दूरसंचार विभाग(डीओटी) द्वारा वायस कॉल करने के लिए आवंटित तथा प्राधिकरण द्वारा एसएमएस हेडर हेतु विनिर्दिष्ट की गई है।

आर. के. आर्नल्ड, सचिव

[विज्ञापन III/4/142/11-असा.]

टिप्पणी 1: मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस दिनांक 1 दिसंबर 2010 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में प्रकाशित किए गए।

टिप्पणी 2: मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस दिनांक 14 दिसंबर 2010 के तहत संशोधित किए गए तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में प्रकाशित किए गए।

टिप्पणी 3: मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस दिनांक 28 दिसंबर 2010 के तहत पुनः संशोधित किए गए (दूसरा संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में प्रकाशित किए गए।

टिप्पणी 4: मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस दिनांक 31 जनवरी 2011 के तहत पुनः संशोधित किए गए (तीसरा संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में प्रकाशित किए गए।

टिप्पणी 5: मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस दिनांक 28 फरवरी 2011 के तहत पुनः संशोधित किए गए (चौथा संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में प्रकाशित किए गए।

टिप्पणी 6: मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस दिनांक 18 मार्च 2011 के तहत पुनः संशोधित किए गए (पांचवां संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में प्रकाशित किए गए।

टिप्पणी 7: व्याख्यात्मक ज्ञापन में दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान(छठवां संशोधन) विनियम, 2011 (2011 का 05) के उद्देश्यों एवं कारणों की व्याख्या दी गई है।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने अवांछित वाणिज्यिक संचार पर रोक लगाने के लिए एक प्रभावी तंत्र का प्रावधान करने के लिए दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2010 (2010 का 6) दिनांक 1 दिसंबर 2010 को जारी किया। इन विनियमों के विनियम 13, 14, 15, 16 और 17 को 15 जनवरी 2011 से लागू किया गया, जबकि विनियम 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10 और 11 को 10 फरवरी 2011 से लागू किया गया। इन विनियमों के विनियम 12, 18, 19, 20, 21 और 22 प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित की जाने वाली तिथि से प्रभावी होंगे।

3364 GI/11-2

2. दूरसंचार विभाग द्वारा दिनांक 31 जनवरी, 2011 के पत्र संख्या 16-5/2009-एस-3/(खंड-4) के तहत मोबाइल नेटवर्क हेतु टेलीमार्केटर्स के लिए "140" नंबर की श्रृंखला आवंटित की गई थी। यद्यपि फिक्सड नेटवर्क के लिए नंबर की श्रृंखला आवंटित नहीं की गई थी। फिक्सड लाइन नेटवर्क के लिए नंबर की श्रृंखला उपलब्ध न होने के कारण दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान अधिनियम, 2010 के संबंधित उपबंधों के क्रियान्वयन होने की तिथि को इसे प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट करने की तिथि से संशोधित किया गया था। अब, दूरसंचार विभाग द्वारा दिनांक 16 अगस्त, 2011 के पत्र संख्या 16-5/2009-एस-3/(खंड-4) के तहत फिक्सड लाइन नेटवर्क हेतु टेलीमार्केटर्स को आवंटित करने के लिए "140" नंबर की सीरिज प्रदान कर दी गई है। एक्सेस प्रदाताओं द्वारा टेलीमार्केटर्स को फिक्सड लाइन नेटवर्क से '140' नंबर की सीरिज का उपयोग करने के लिए संसाधन आवंटित करने से पूर्व अपने नेटवर्क में संगत प्रवाधान करना होगा। तदनुसार, इस विनियमन के संगत उपबंधों में संशोधन किया गया है तथा विनियम दिनांक 27 सितम्बर, 2001 से क्रियान्वित होंगे।
3. प्राधिकरण ने व्यवसाय के व्यावहारिक पहलू को ध्यान में रखते हुए लेनदेन संबंधी संदेश की परिभाषा को संशोधित करने की आवश्यकता पर विचार किया। तदनुसार, प्राधिकरण ने लेनदेन संबंधी संदेश की परिभाषा में कुछ परिवर्तन किया है।
4. संविधान के अंतर्गत स्थापित प्राधिकरणों द्वारा लोक हित में एसएमएस भेजने की आवश्यकता पर भी विचार किया गया। तदनुसार, संविधान के अंतर्गत स्थापित प्राधिकरणों या भारतीय दूरसंचार विनियामक या उनके द्वारा अधिकृत एजेंसियों द्वारा या उनके निर्देश पर भेजे गए किसी संदेश को अवांछित वाणिज्यिक संचार की परिभाषा से बाहर रखा गया है।
5. विनियमों के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, उपभोक्ता के एनसीपीआर में पंजीकरण या अधिमान में उसके परिवर्तन के उपरांत, वह तीन माह की अवधि से पूर्व उसे नहीं बदल सकता है। उपभोक्ता को उसके अधिमान बदलने की समय अवधि में अधिक छूट देने के उद्देश्य से वर्तमान तीन माह की प्रतिबंध अवधि को घटाकर 7 दिन किया गया है।
6. वाणिज्यिक संचार में विनिर्दिष्ट किसी प्रतिबंध के बिना लेनदेन संबंधी संदेशों के निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करने के उद्देश्य, विनियम के संगत खंडों को संशोधित किया गया है।
7. प्राधिकरण द्वारा गैर वाणिज्यिक एसएमएस की कुछ श्रेणियों में प्रति सीम(एसआईएम) प्रतिदिन एक सौ एसएमएस से अधिक एसएमएस भेजने की परिचालनिक आवश्यकताओं पर भी विचार किया गया। तदनुसार, आवश्यक प्रावधान किए गए हैं।

TELECOM REGULATORY AUTHORITY OF INDIA**NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th September, 2011

**THE TELECOM COMMERCIAL COMMUNICATIONS CUSTOMER
PREFERENCE (SIXTH AMENDMENT) REGULATIONS, 2011
(5 OF 2011)**

No. 352-4/2011-CA (QoS) pt.—In exercise of powers conferred by section 36, read with sub-clause (v) of clause (b) of sub-section (1) and clause (c) of sub-section (1) of section 11 of the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997 (24 of 1997), the Telecom Regulatory Authority of India hereby makes the following regulations, namely:-

1. (1) These regulations may be called the Telecom Commercial Communications Customer Preference (Sixth Amendment) Regulations, 2011.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the official Gazette.

2. In sub-regulation (2) of regulation 1 of the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulations, 2010 (hereinafter referred to as the principal regulations),---

(a) for clause (d), the following clause shall be substituted, namely:-

“(d) Regulations 12, 18, 19, 20, 21 and 22 of these regulations shall come into force on the 27th day of September, 2011.”

3. In regulation 2 of the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulations, 2010 (hereinafter referred to as the principal regulations),----

(a) after clause (m), the following clause shall be inserted, namely:----

“(ma) “licensee” means any person licensed under sub-section (1) of section 4 of Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) for providing specified public telecommunication services;”

4. In clause (ab) of regulation 2 of the principal regulations,---

(a) for sub-clause (i), the following sub-clause shall be substituted, namely:-

“(i) information pertaining to the account of its customer sent to the customer by a licensee or Bank or financial institution or insurance company or credit card company or depositories registered with Securities and Exchange Board of India or Direct to Home Operators;”

(b) for sub-clause (iii), the following sub-clause shall be substituted, namely:-

“(iii) information from a registered educational institution to its students or their parents or guardians;”

5. In clause (ac) of regulation 2 of the principal regulations,---

(a) for sub-clause (ii), the following sub-clause shall be substituted, namely:-

“(ii) any message transmitted by or on the directions of the Central Government or State Government;”

(b) after sub-clause (ii), the following sub-clauses shall be inserted, namely:-

“(iii) any message transmitted by or on the directions of bodies established under the Constitution; or

(iv) any message transmitted by or on the directions of the Authority;

(v) any message transmitted by any agency authorized by the Authority from time to time;”

6. In regulation 8 of the principal regulations,-

(a) In sub-regulation (1), for the words, ‘three months’, the words ‘seven days’ shall be substituted.

7. In regulation 17 of the principal regulations, ----

- (a) for sub-regulation (11), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

“(11) Every Access Provider shall withdraw before the 26th September, 2011 all telecom resources allocated to a telemarketer except those telecom resources which have been allocated in accordance with the provisions of the regulations.”

8. In sub-regulation (2) of regulation 20 of the principal regulations,---

- (a) in clause (a), after the word ‘unless’ and before the word ‘has’, the word ‘it’ shall be inserted.

- (b) for clause (j), the following clause shall be substituted, namely:-

“(j) every Access Provider shall ensure that any commercial communication including SMS, other than transactional messages, is sent to a customer only between 0900 Hrs to 2100 Hrs;”

- (c) after clause (k), the following clauses shall be inserted, namely:-

“(ka) no Access Provider shall permit sending of more than one hundred SMS per day per SIM:

Provided that in case of post paid telephone number the Access Provider shall not permit more than three thousand SMS per SIM per month:

Provided further that in case of post paid telephone number, the Access Provider shall not permit sending of more than one hundred SMS per day per SIM from a date to be notified by the Authority;

(kb) the Authority may by direction, from time to time, specify the category of SMS which shall be excluded from the limit of one hundred SMS per day per SIM:

Provided that before permitting a customer to send specified category of SMS beyond the limit of one hundred SMS per day per SIM, the Access Provider shall obtain an undertaking from

3364 GI/11-3

such customer that he shall not use such telephone number for sending any commercial communications:

Provided further that the Access Provider shall enter, in the list maintained in the National Telemarketer Register, the telephone number, name and address of the customer, category of exempted SMS and date of permitting sending of SMS beyond limit of one hundred SMS per day per SIM and the said list shall be updated every Monday."

9. In regulation 25 of the principal regulations,---

(a) for clause (d), the following clause shall be substituted, namely:-

"(d) the provisions contained in regulations 12, 16, 17 and 18 of the Telecom Unsolicited Commercial Communications Regulations, 2007 (4 of 2007) shall remain in force till the 26th day of September, 2011."

10. In Schedule-I to the principal regulations ---

(a) under the heading 'Miscellaneous', after serial number II, the following shall be inserted, namely:-

"III. A customer may exercise his option to receive messages for the following preferences: 1- Banking/Insurance/Financial products/credit cards, 2- Real Estate, 3- Education, 4- Health, 5- Consumer goods and automobiles, 6- Communication/Broadcasting/Entertainment/IT, 7-Tourism and Leisure.

IV. The Authority may by direction, from time to time, specify additional preferences in the partially blocked category.

V. For sending the promotional messages, the telemarketers shall use alphanumeric identifier in the format XY-RZZZZZ where X stands for code allotted to Access provider, Y stands for service area, as specified by the Authority from time to time and R being any digit from 0 to 7, where 0 indicate that the SMS is commercial communication but does not belong to any preference specified under serial number III, 1-7 indicates the preference specified

under serial number III and ZZZZZ indicates five digit unique identification code allotted to telemarketer by the Access Provider. As and when additional preferences are specified by the Authority, the same will be assigned number 8 onwards for 'R'."

11. In Schedule-III to the principal regulations ---

(a) for clause (15), the following clause shall be substituted, namely:-

"(15) The telecom resources allotted by an Access Provider to the telemarketer shall be from the number series '140' allocated by Department of Telecommunications for voice calls and SMS header as specified by the Authority."

R. K. ARNOLD, Secy.

[ADVT. III/4/142/11-Exty.]

Note 1: The principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 vide notification No. 305-17/2010-QoS dated 1st December, 2010.

Note 2: The principal regulations were amended vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 14th December, 2010.

Note 3: The principal regulations were further amended (second amendment) vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 28th December, 2010.

Note 4: The principal regulations were further amended (third amendment) vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 31st January, 2011.

Note 5: The principal regulations were further amended (fourth amendment) vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 28th February, 2011.

Note 6: The principal regulations were further amended (fifth amendment) vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 18th March, 2011.

Note 7: The Explanatory Memorandum explains the objects and reasons of Telecom Commercial Communications Customer Preference (Sixth Amendment) Regulations, 2011 (of 2011).

23 64 GI/11-4

Explanatory Memorandum

The Telecom Regulatory Authority of India issued the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulation, 2010 (6 of 2010) dated the 1st December, 2010 to provide an effective mechanism for curbing unsolicited commercial communications. Regulation 13, 14, 15, 16 and 17 of the regulations were implemented with effect from the 15th day of January, 2011, while regulation 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10 and 11 were implemented with effect from the 10th day of the February, 2011. Regulation 12, 18, 19, 20, 21 and 22 of these regulations were to be implemented, from a date to be notified by the Authority.

2. DoT vide letter No. 16-5/2009-AS.III/(Vol. IV) dated 31st January, 2011 had provided '140' number series to be allocated to telemarketers for mobile network. However, number series for fixed network was not allocated. Due to non-availability of numbering resources from fixed line network, date of implementation of relevant clauses of The Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulations, 2010 was amended to be effective from a date to be specified by the Authority. Now, DoT vide letter no. 16-5/2009-AS.III/Vol. IV dated 16th August 2011 has provided '140' number series to be allocated to telemarketers for fixed line network. Access Providers have to make relevant provisions in their network before allocation of resources to telemarketers using '140' numbering series from fixed line network. Accordingly, relevant clauses of regulations has been amended and the regulations are being implemented from 27th September, 2011.
3. The Authority also considered the need to modify the definition of the transactional messages considering the practical aspect of business. Accordingly the Authority has made certain changes in definition of Transactional message.
4. The need to send SMSs in public interest by the Authorities established under the Constitution was also considered. Accordingly, any message

transmitted by or on the directions of the Authority established under the Constitution or Telecom Regulatory of India (TRAI) or agencies authorized by the Authority has been exempted from the definition of Unsolicited Commercial Communications.

5. As per the existing provisions of regulations, a customer after registering or changing his preference in NCPR cannot change it before a period of three months. In order to provide flexibility to a customer to change his preference, the existing restriction of three months has been reduced to seven days.
6. In order to ensure smooth flow of the transactional messages without any restrictions as specified for commercial communications, the relevant clauses of regulation have been amended.
7. The Authority also considered the operational requirements of certain categories for sending non-commercial SMS in excess of one hundred SMS per SIM per day. Accordingly necessary provision has been made.